न्यूज डायरी

शिनजियांग प्रांत में सामने आए हैं कई केस,ज्यादातर मामले उइगर मुस्लिमों के मिले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के शिनजियांग प्रांत में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों से एक बड़ी आशंका इस बात की पैदा हो गई है कि वहां चल रहे डिटेंशन कैंप्स में लाखों इन्फेक्शन केस मौजूद हो सकते हैं। इन कैंप्स में उइगर मुस्लिमों को रखा जाता है जिन्हें चीन वोकेशनल एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स बताता है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि चीन इससे जुड़ी जानकारी छिपा भी सकता है। यहां अब तक 100 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं जबकि उत्तर–पश्चिम चीन में 200 से ज्यादा कोरोना केस सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया की जेम्स कुक यूनिवर्सिटी में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की सीनियर लेक्चरर डॉ. ऐना हेज ने द गार्जियन अखबार को बताया है कि चीन की अपारदर्शिता की वजह से इस प्रांत में इन्फेक्शन का फैलना सामने आए ही न। उन्होंने कहा है, श्मुझे शक है कि हमें इसके बारे में कभी पता ही नहीं चलेग। अगर कम्यूनिटी ट्रांसमिशन अब तक नहीं हुआ है तो जल्द ही हो भी सकता है।

जापानः फुकुशिमा प्रांत में विस्फोट, 11 घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान के फुकुशिमा प्रान्त में गुरुवार को हुए एक विस्फोट में करीब 11 लोग घायल हो गए। यह जानकारी अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने दी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि गैस रिसाव के यह विस्फोट हुआ। बेहत भयानक विस्फोट के बाद दीवार पूरी तरह उड़ गई और सिर्फ फ्रेम बाकी रह गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कोरीयामा शहर में हुए इस विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और अग्निशमन कर्मी जांच कर रहे हैं। विस्फोट सुबह करीब 9 बजे हुआ। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शायद विस्फोट एक रेस्तरां में हुआ। आपातकालीन कर्मियों का मानना है कि विस्फोट का कारण गैस रिसाव हो सकता है। विस्फोट इतना तीव्र था कि इमारत की बाहरी दीवार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे सिर्फ स्टील के फ्रेम बचे रह गए।

अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 1,50,000 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्रोविडेंस (अमेरिका)। अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बुधवार को 1,50,000 हो गई। विश्व में वायरस के कारण सबसे अधिक लोगों की जान अमेरिका में ही गई है।जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार अमेरिका के बाद सर्वाधिक 88,000 से अधिक लोगों की मौत ब्राजील में और करीब 46,000 लोगों की जान ब्रिटेन में गई है।उसके अनुसार अमेरिका में कोविड–19 के करीब 44 लाख मामले सामने आए हैं, यह आंकड़ा भी विश्व में सर्वाधिक है। वहीं सीमित जांच और हल्के लक्षण वाले कई मामलों का पता नहीं चलने या इन मामलों के दर्ज ना होने के कारण अमेरिका और विश्वभर में संक्रमितों की वास्तविक संख्या इन आंकड़ों के कहीं अधिक होने की आशंका है।

डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ भारत पर भी साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन के खिलाफ कभी भारत का साथ देते नजर आ रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर रूस और चीन के साथ–साथ भारत को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि भारत, चीन और रूस अपनी वायु गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखते जबकि अमेरिका रखता है। उन्होंने पेरिस समझौते को एकतरफा, ऊर्जा बर्बाद करने वाला बताते हुए कहा कि वह इस समझौते से अलग हो गए जो अमेरिका को एक गैर प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बना देता।
ट्रंप ने ऊर्जा पर अपने संबोधन में बुधवार को कहा कि इन दंडात्मक पाबंदियों को लागू करके और पाबंदियों से इतर वाशिंगटन के कट्टर–वामपंथी, सनकी डेमोक्रेट्स असंख्य अमेरिकी नौकरियों, कारखानों, उद्योगों को चीन तथा प्रदूषण फैला रहे अन्य देशों को भेज देते।

भारत के साथ लंबे टकराव की तैयारी में जुटा चीन

चालबाजी

चीन अब अक्साई चिन के इलाके में बड़ी सैन्य तैयारी करने में जुट गया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में भारतीय जमीन पर कब्जा करने की फिराक में जुटा चीन पैंगोंग त्सो झील के फिंगर 4 से 8 के बीच हटने को तैयार नहीं हो रहा है। चीन ने लद्दाख के कुछ इलाकों से भले ही सेना हटा ली हो लेकिन लंबे समय तक टकराव के लिए एलएसी से कुछ ही दूरी पर स्थित अक्साई चिन के इलाके में बड़ी सैन्य तैयारी करने में जुट गया है। सैटलाइट से मिली ताजा तस्वीरों में पता चला है कि चीन अपने सैतुला सैन्य ठिकाने को आधुनिक बना रहा है और वहां घातक हथियार तैनात कर रखा है।

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनालिस्ट Detresfa की ओर से जारी सैटलाइट की तस्वीरों में साफ नजर आ रहा है कि चीन ने पिछले दो साल में इस सैन्य अड्डे को किले की शक्ल देना शुरू किया है। सैतुला में चीन जवानों के लंबे समय रहने और लद्दाख में उनके बहुत तेजी से तैनाती के लिए

प्रशिक्षण की सुविधाएं जुटा रहा है। चीन ने नए बैरक बनाए हैं और हेलीपोर्ट तैयार किया है। इसके अलावा सैतुला में चीन ने तोपें और कई घातक हथियार तैनात किए हैं।

ड्रैगन ने भारत से लगी सीमा पर 8 एयरबेस को एक्टिवेट कियाः चीन ने भारत से लगी सीमा के नजदीक कम से कम 8 एयरबेस या हेलीपैड को एक्टिवेट किया है जहां से वह अपनी युद्धक गतिविधियों को जारी रख सकता है। हाल में ही शिनजियांग प्रांत में स्थित होटान एयरबेस पर तैनात चीनी फाइटर जेट और अवाक्स प्लेन की सैटेलाइट तस्वीरें सामने आईं थीं। इसमें संबंधित एयरबेस पर तैनात एयरक्राफ्ट के बारे में भी जानकारी दी गई है।

अत्याधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण चीन इस इलाके में हवाई शक्ति के मामले में भारत से कमजोर है। जबकि भारतीय एयरबेस निचले क्षेत्र में हैं जहां से वे अपनी पूरी क्षमता के साथ चीन के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। चीन ने अपने ठिकानों पर शेनयांग जे 11 फाइटर प्लेन तैनात किया है जिसकी रेंज 3530 किलोमीटर है। जो 2500 किमी प्रतिं घंटे की अधिकतम रफ्तार से उड़ान भर सकता है। हाल ही में भारत का जासूसी उपग्रह EMISAT चीन के कब्जे वाले तिब्बत के ऊपर से गुजरा था। इस सैटलाइट ने अच्छी खासी जानकारी जुटाई है। इसी के बाद से चीन में हड़कंप मच गया है। भारत के डीआरडीओ का यह सैटलाइट EMISAT इंटेलिजेंस इनपुट जुटाने का काम करता है।

दुश्मन के रेडियो सिग्नल पढ़ लेता है भारत का कौटिल्यः इसमें एक ELINT यानी इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम कौटिल्य लगा हुआ है, जिसकी खूबी है कि वह रक्षा क्षेत्र की अहम जानकारियां जुटा सकता है। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि यह सैटलाइट हाल में अरुणाचल प्रदेश के पास स्थित तिब्बत के उस हिस्से के ऊपर से गुजरा है, जो तीन की पीएलए के कब्जे में है।

ईशनिंदा के आरोप में एक और अहमदी की हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोर्ट के अंदर ही न्यायाधीश के सामने ही अहमदी समुदाय के एक शख्स की गोली मारकर हत्य्या कर दी गई। घटना के दौरान के अदालत में ईशनिंदा से जुड़े मामले की सुनवाई चल रही थी। मृतक व्यक्ति ताहिर अहमद नसीम के ऊपर ईशनिंदा का आरोप था। घटना पाकिस्ताान के पेशावर शहर की है। बताया जा रहा है कि हमलावर ने ताहिर को 6 गोलियां मारीं। ताहिर एक अमेरिकी नागरिक था और अमेरिका ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।
पुलिस ने बताया कि ताहिर अहमद नसीम को ईशनिंदा के आरोप में दो साल पहले

जज के सामने मारीं 6 गोलियां

गिरफ्तार किया गया था। उसे अदालत कक्ष में अतिरिक्त सत्र न्यााधीश शौकतुल्ला खान के सामने गोली मार दी गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह अदालत छावनी इलाके में अत्यधिक सुरक्षा वाले क्षेत्र में है। न्यायिक परिसर के मुख्य द्वारा और इसके अंदर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। बताया जा रहा है कि मृतक नसीम मानसिक बीमारी से ग्रस्त था। हमला करने वाले की पहचान खालिद के रूप में हुई है। नसीम पर आरोप लगा था कि वह खुद को मसीहा मानता है।

ईरान ने दुनिया को दिखाई अपनी ताकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ईरान। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों इजरायल, सऊदी अरब के साथ चल रहे तनाव के बीच ईरान ने जोरदार सैन्य अभ्यास करके पूरी दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराया है। ईरानी अर्द्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज जलसंधि के पास अपने सैन्य अभ्यास के अंतिम दिन बुधवार को पहली बार जमीन के अंदर से बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एक दिन पहले ही ईरानी सेना ने नकली अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को तबाह करने का अभ्यास किया था। ईरान के इस अभ्यास से पूरे इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। ईरान के सरकारी टीवी चैनल पर इस व्यापक युद्धाभ्यास की तस्वीरें दिखाई गईं। इन तस्वीरों में रेगिरस्ध्तान के अंदर आग की लपटें देखी गईं। इसके बाद पूरे इलाके में धुएं और धूल का गुबार उठा।

नेपाल की सीनाजोरी, लिपुलेख, कालापानी में नेपालियों की घुसपैठ को बताया सही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख समेत 395 वर्ग किलोमीटर के भारतीय इलाके को जबरन अपने नक्शे में शामिल करने वाले नेपाल ने अब इन इलाकों में नेपाली नागरिकों की घुसपैठ को वैध बताया है। नेपाल के धारचुला के जिला प्रशासन ने भारत के पत्र के जवाब में दावा किया कि सुगौली संधि के आर्टिकल 5, नक्शे और ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख नेपाली क्षेत्र है।

इससे पहले इसी महीने भारत ने नेपाल से अपने नागरिकों को कालापानी, लिम्पियाधुरा और

संक्रमण से 100 से ज्यादा कोरोना के मामले सामने आए

लिपुलेख में अवैध तरीके से घुसने से रोकने की अपील की थी। इस संबंध में धारचूला (पिथौरागढ़, उत्तराखंड) के उप–जिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ल ने पिछले दिनों नेपाली प्रशासन को एक पत्र लिखा था। अब नेपाल ने इस पत्र का पलटकर जवाब दिया है। नेपाल के धारचुला इलाके के मुख्य जिला अधिकारी शरद कुमार ने अपने पत्र में दावा किया कि कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा नेपाली इलाके हैं।

शरद कुमार ने कहा कि सुगौली संधि के आर्टिकल 5, नक्शे और ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख नेपाली क्षेत्र है। शरद कुमार ने कहा कि भारत इन इलाकों में नेपाली लोगों के प्रवेश पर रोक नहीं लगाए। उन्होंने कहा कि चूंकि ये नेपाली इलाके हैं तो वहां पर नेपाली नागरिकों का जाना स्वाभाविक है। इससे पहले 14 जुलाई को भारतीय अधिकारी अनिल कुमार शुक्ला ने एक ईमेल भेजकर नेपाली लोगों की अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए कहा था।

३९५ वर्ग किलोमीटर के भारतीय इलाके को अपना बतायाः अनिल कुमार ने कहा था कि इस तरह की अवैध घुसपैठ दोनों ही देशों के प्रशासन के लिए संकट पैदा करती है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से खतरा बहुत वास्तविक हैः पोम्पिओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से खतरे को बिल्कुल वास्तविक बताते हुए बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने बीजिंग के साथ संबंधों में फिर से संतुलित करने के लिए ''सही कदम'' उठाने शुरू कर दिए हैं जिससे अमेरिकियों की आजादी की रक्षा हो सके।पोम्पिओ ने उम्मीद जताई कि चीन यह फैसला लेगा कि व्यापार सौदे के पहले चरण के तहत उनकी प्रतिबद्धताओं का पालन किया जाए।उन्होंने कहा, ''हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या वे अपने दायित्वों को पूरा करते हैं।''पोम्पिओ ने एक साक्षात्कार में कहा, ''अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य से देखे तो राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने 2015 में चुनाव प्रचार अभियान के समय चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जिस खतरे की पहचान की थी वह वास्तविक है। इसलिए हमने इस संबंध को फिर से संतुलित करने के लिए सभी सही कदम उठाने शुरू कर दिए हैं ताकि अमेरिकी लोगों की आजादी की रक्षा हो सके।''विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि कोरोना वायरस पहला वायरस नहीं है जो चीन से आया है।